Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include Sickle Cell disease in the list of diseases eligible for treatment under Ayushman Bharat Yojana-Laid.

श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा (बारदौली): आजकल सिकल-सेल रोग (SCD) नामक बीमारी खासकर आदिवासी समाज और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वालों में अत्यधिक बढ़ रही है । यह बीमारी कोशिकाओं के लचीलेपन को घटाती है जिससे विभिन्न जटिलताओं का जोखिम उभरता है । हीमोग्लोबिन जीन में उत्परिवर्तन की वजह से सिकल-सेल रोग होता है । सिकल-सेल रोग आमतौर पर बाल्यावस्था से उत्पन्न होता है और यह बीमारी पारिवारिक होती है और इस बीमारी का स्थायी रूप से कोई इलाज भी नहीं है तथा जीवन-भर बीमारी के साथ ही जीना पड़ता है इससे मलेरिया प्लाज्मोडियम का पर्याक्रमण उन कोशिकाओं के हंसिया निर्माण से रूक जाता है जिस पर यह आक्रमण करता है । यह एक दुर्लभ प्रकार का रोग है, जिसको भी यह रोग पकड़ लेता है तो उसे हर दो या तीन महीने में असहनीय पीड़ा (दर्द) होने के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है जिस पर अस्पताल में बहुत खर्चा आता है । सिकल-सेल बीमारी आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत न आने के कारण इस योजना का लाभ इस रोग से पीड़ित गरीब आदिवासियों को नहीं मिल पा रहा है ।

मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से मांग करता हूँ कि सिकल-सेल रोग को आयुष्मान भारत योजना में उपचार हेतु जोड़ा जाए जिससे गरीब आदिवासी अपना उपचार ठीक से करा सकें ।